Date
16/05/202.

TEACHING OF SCIENCE

Topic- सुरक्षा एवं प्राथमिक उपचार

D.El.Ed. IV th Sem

Period- IInd

प्राथमिक चिकित्सा =

प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण किसी रोग के होने या चोट लगने पर किसी अप्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा जो सीमित उपचार किया जाता है उसे प्राथमिक चिकित्सा कहते है।

इसका उद्देश्य कम से कम साधनो मे इतनी व्यवस्था करना होता है कि चोटग्रस्त व्यक्ति को सम्यक इलाज कराने की स्थिति मे लाने में लगने वाले समय मे कम से कम नुकसान हो।

प्राथमिक चिकित्सा की सीमा =

प्राथमिक उपचार आकस्मिक दुर्घटना के अवसर पर उन वस्तुओ से सहायता करने तक ही सीमित है जो उस समय प्राप्त हो सके।

⇒ प्राथमिक उपचार का यह ध्येय नही है कि प्राथमिक उपचारक चिकित्सक का स्थान ग्रहण करे।

⇒ चोट पर दोबारा पट्टी बांधना तथा उसके बाद का दूसरा इलाज प्राथमिक उपचार की सीमा के बाहर है।

प्राथमिक चिकित्सा का क्षेत्र =

प्राथमिक चिकित्सा का क्षेत्र इस प्रकार है।

Scanned with CamScanner

1 ⇒ रोग निर्णय ⇒

रोग निर्णय के लिये इन बातो का जानना जरूरी है।

1 ⇒ रोगी द्वारा दिये गये रोग वर्णन, लक्षण तथा चिन्हो पर विचार करना

2 ⇒ रोगी के चोरित द्वारा बीमारी या दुर्घटना की जानकारी प्राप्त करना।

3 ⇒ वातावरण से रोग या दुर्घटना का पता लगाना।

4 ⇒ दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को लगे किसी आघात का पता लगाना।

5 ⇒ रोगी को कही पीडा हो रही है तो शरीर के उस भाग का निरीक्षण करना।

6 ⇒ रोगी के दुर्घटनाग्रस्त अंगो का निरीक्षण करना।

7 ⇒ शरीर के अंग के बेडौल होने, सूजन से हड्डी टूटने की सम्भावना का पता लगाना।

Continue →

Scanned with CamScanner